सांस्कृतिक विविधता हमें समृद्ध और शक्तिशाली बनाती है : राज्यपाल

❐ राजभवन में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया 17 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस

रायपुर (आरएनएस)। राजभवन में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम के तहत आज छत्तीसगढ़ सहित 17 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने कहा कि सांस्कृतिक विविधता हमें समृद्ध और शक्तिशाली बनाती है।

राजभवन में राज्यपाल हरिचंदन के मुख्य आतिथ्य में भारत के राज्यों क्रमशः छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, केरल, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखण्ड तथा झारखण्ड और केंद्रशासित प्रदेशों लद्दाख, चंडीगढ़, अण्डमान और निकोबार द्वीप, पुदुचेरी तथा लक्षद्वीप का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू की गई केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक-दूसरे राज्यों का स्थापना दिवस मना रहे हैं। इसी कड़ी में राजभवन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें छत्तीसगढ़ में निवास करने वाले इन राज्यों के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने कहा कि भारत अनेक रंगो के फूलों की माला है। हर राज्य की अपनी एक अलग पहचान है। विविधता होते हुए भी हम सब एक है। जिसके कारण विश्व में हमारी साख है। दुनिया की सभी शक्तियां हमारे भारत वर्ष की प्रशंसा करती हैं।

श्री हरिचंदन ने सभी राज्यों की विशिष्टताओं का उल्लेख किया। प्राकृतिक संसाधनों, वनोपज एवं खनिज से भरपूर छत्तीसगढ़, अपनी समृद्ध संस्कृति और इतिहास की कहानी कहता हुआ मध्यप्रदेश राज्य भले ही ही दो अलग-अलग राज्य हैं। लेकिन दोनों राज्यों के निवासियों का खान-पान, भाषा, संस्कृति, आचार-विचार, घुले-मिले है और वे परस्पर स्नेह के अटूट बंधन में बंधे हुए हैं। तमिलनाडु देश का दूसरा सबसे बड़ा सूचना प्रौद्योगिक का क्षेत्र है। साक्षरता के साथ-साथ सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य स्तर, स्त्री-पुरूष समानता के क्षेत्र में केरल अग्रणी है। आंध्रप्रदेश कृषि के साथ-साथ प्रसिद्ध धार्मिक स्थल तिरूपती बालाजी के लिए प्रसिद्ध है। सार्वधिक लोकप्रिय प्राकृतिक सौंदर्य, ऊंचे-ऊंचे हिमालय पर्वतों की श्रृंखला, हिन्दुओं के पवित्र तीर्थ स्थल वैष्णव देवी तथा अमरनाथ के लिए जम्मू और कश्मीर जाना जाता है। पंजाब का इतिहास कुर्बानियों से भरा हुआ है। जिस पर हर देशवासी को गर्व है। अमृतसर का स्वर्ण मंदिर प्रमुख सिक्ख धर्म स्थल है। छोटा राज्य होने के बावजूद हरियाणा राज्य ने विभिन्न क्षेत्रों में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। दिल्ली हमारी राजधानी ही नही देश का दिल भी है। देव भूमि उत्तराखंड में दुनिया भर के पर्यटक आते है। कोयला खनिज संपदा से भरपूर झारखंड अपनी आदिवासी संस्कृति के लिए जाना जाता है।

हरिचंदन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया। यह भारतीय, तिब्बती और बौद्ध धर्म की संस्कृतियों का संगम क्षेत्र है। अंडमान-निकोबार द्वीप, चंडीगढ़, लक्षद्वीप, पुदुचेरी भी अलग-अलग क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। इनमे से अधिकांश राज्यों से आए हुए लोग छत्तीसगढ़ में व्यवसाय अथवा नौकरी कर रहे है। राज्यपाल ने इन सभी राज्यों के नागरिकों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल के सचिव अमृत कुमार खलखो ने ''एक भारत-श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि राजभवन में अबतक 6 राज्यों का स्थापना दिवस राजभवन में मनाया गया। इन राज्यों की संस्कृति, खान-पान, लोक परंपराओं से एक-दुसरे राज्य के लोग परस्पर रूबरू हुए।

कार्यक्रम में इन सभी राज्यों की संस्कृति एवं लोक परंपरा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। छत्तीसगढ़ का लोक-नृत्य सुवा, कर्मा, राउत नाचा, पंथी नृत्य पंजाब का भांगडा, कर्नाटक का लोक-नृत्य, कश्मीर, हरियाणा, उत्तराखंड, अंडमान-निकोबार द्वीप, मध्यप्रदेश का लोक नृत्य, केरल का लोक नृत्य, आंध्रप्रदेश के भारत नाट्यम नृत्य ने अतिथियों का मन मोह लिया।

विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

छत्तीसगढ़ से पद्मश्री से सम्मानित भारती बंधु, डॉ. सुरेन्द्र दुबे, शमशाद बेगम, मदन चौहान, अजय मंडावी, अनुप रंजन, डॉ. रमेंद्रनाथ मिश्रा, श्रीधर, सुचिता शरण सहित अन्य समुदाय के विशिष्ट जनों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में राज्यपाल के विधिक सलाहकार राजेश श्रीवास्तव, उपसचिव दीपक अग्रवाल, इन सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के छत्तीसगढ़ में निवासरत, युवा, महिलाए एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महत्वपूर्ण एवं खास

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश में तीन दिन बाद बढ़ेगी ठंड

रायपुर (आरएनएस)। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश में काफी मात्रा में नमी आ रही है,इसके चलते रविवार को प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग का कहना है कि 20 नवंबर तक तापमान में बढ़ोतरी संभावित है। इसके बाद 22 नवंबर से न्यूनतम तापमान में गिरावट आनी शुरू होगी और ठंड बढ़ेगी। शनिवार को प्रदेशभर में अंबिकापुर सबसे ठंडा रहा,यहां का न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम है। शनिवार को रायपुर सहित प्रदेश भर में मौसम शुष्क रहा। आंशिक रूप से बादल छाए रहने के कारण अधिकतम व न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी रही। हालांकि नमी आने के कारण ठंड में बढ़ोतरी हो रही है। विशेषकर ग्रामीण व आउटर क्षेत्रों में ठंड का प्रभाव काफी बढ़ते जा रहा है।

कोरबा जिले में 4402 क्विंटल धान की हुई खरीदी

कोरबा (आरएनएस)। जिले में भी समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू हुए 18 दिन हो चुके है। 65 केंद्रों में से अब तक सिर्फ 20 केन्द्रों में ही धान खरीदी की बोहनी हो सकी है। 45 केंद्रों में अभी भी इंतजार है। वनांचल के क्षेत्र में धान कटाई अधिक हुई है। 41 सहकारी समितियों के 65 केंद्रों में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जा रही है। इस बार किसानों की संख्या 50 हजार से भी अधिक है। पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक कोरबी केंद्र में महिला किसान लीलावती ने 50 क्विंटल धान बेचकर शुरुआत की। यहां अब तक 122 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। कटघोरा में अभी तक 274 क्विंटल धान की खरीदी हो चुकी है। इसी तरह छुरी कला, पसान, नुनेरा, रामपुर, पोटापानी, सिरमीना में भी धान की खरीदी शुरू हो चुकी है। बरपाली क्षेत्र में धान की आवक अधिक होती है। लेकिन यहां अभी धान की कटाई चल रही है। अभी तक 20 केंद्रों में 4402 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। अभी उठाव शुरू नहीं हुआ है।

एग्जिट पोल का आयोजन करना और परिणाम का मीडिया में प्रकाशन और प्रचार-प्रसार प्रतिबंधित

❐ छत्तीसगढ़ में एग्जिट पोल 30 नवम्बर 2023 तक प्रतिबंधित

सारंगढ़ बिलाईगढ़। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत 07 नवम्बर 2023 से लेकर 30 नवम्बर 2023 अपरान्ह 6.30 बजे तक किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन करने तथा प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया द्वारा इसके परिणाम के प्रकाशन, प्रचार व किसी भी अन्य तरीके से उसका प्रचार-प्रसार करने पर प्रतिबंध किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने अधिसूचना प्रकाशित की है, जिसमें लो.प्र.अधिनियम 1951 की धारा 126क में निर्देश दिया है कि कोई भी व्यक्ति कोई निर्गम मत (एग्जिट पोल) सर्वेक्षण नहीं करेगा और राज्य के किसी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घण्टों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल व किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामले के प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा।

उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग के पत्र क्रमांक 491, 25 अक्टूबर 2013 में उल्लेख किया गया है कि निर्वाचन प्रचार से संबंधित विधिक उपबंध सोशल मीडिया पर उसी तरह लागू होते हैं जैसे वे किसी अन्य मीडिया का इस्तेमाल करके किए जाने वाले निर्वाचन प्रचार के किसी अन्य रूप पर लागू होते हैं। इसलिए सोशल मीडिया में भी एग्जिट पोल का आयोजन और परिणाम का प्रकाशन, प्रचार-प्रसार प्रतिबंध है।

घरेलू विवाद में महिला की डंडे और लोहे के तवा से पिटाई

जूटमिल पुलिस ने दो महिला आरोपियों को हत्या के प्रयास के अपराध में गिरफ्तार कर भेजा रिमांड पर

रायगढ़। 16 नवंबर को थाना जूटमिल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ननसिया में घरेलू विवाद को लेकर दो सगी बहने परिवार के एक व्यक्ति के साथ अपनी भाभी को हाथ मुक्का, डंडा और तवा से मारकर गंभीर चोट पहुंचाये। घायल महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना को लेकर थाना जूटमिल में आरोपियों के विरुद्ध हत्या का प्रयास का मामला दर्ज किया गया है।

आहत महिला बुधयारिन बाई (25 साल) के पति केशव महंत निवासी ग्राम ननसिया रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि पूर्व में उसकी बहन मधु सिदार, उसका पति राम सिंह सिदार और रितु महंत गांव ननसिया में रहते थे। उसकी पत्नी बुधियारिन का उसकी मां, दीदी मधु और बहन रीतू के बीच घरेलू झगड़ा विवाद होता था। इसी झगड़ा विवाद को लेकर 16 नवंबर के शाम मधु, रितु और मधु का पति राम सिंह घर अंदर घुसकर उसकी पत्नी बुधियारिन बाई से पूर्व झगड़ा विवाद रंजीश को लेकर गाली गलौज मारपीट करते हुए हाथ मुक्का और डंडा, लोहे के तवे से मारपीट किए हैं जिसमें बुधियारिन बाई को गंभीर चोटे आई है। प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना जूटमिल में आरोपियों के विरुद्ध धारा 450, 307, 34 आईपीसी के तहत अपराध पंजीकृत कर घटना के बाद से फरार हुए दो महिला आरोपी (1) मधु सिदार पति रामसिंह सिदार उम्र 33 साल निवासी अमलीभौना इंदिरा आवास सोनूमुडा थाना जूटमिल जिला रायगढ़ (2) रितु महंत पिता हेमलाल महंत उम्र 22 साल निवासी ननसिया हाल मुकाम अमलीभौना इंदिरा आवास सोनूमुडा थाना जूटमिल रायगढ़ को जूटमिल पुलिस द्वारा गिरफ्तार का न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। आरोपियों से डंडा और लोहे का तवा बरामद कर जप्त किया गया है। आरोपी राम सिंह सिदार फरार है। फरार आरोपी की पतासाजी की जा रही है। आरोपियों की पतासाजी, गिरफ्तारी में थाना प्रभारी जूटमिल निरीक्षक रामकिंकर यादव, उप निरीक्षक अमृतलाल साहू, महिला प्रधान आरक्षक क्लोस्टिका खरे, आरक्षक कामता चौहान, महिला आरक्षक देवकुमारी भारते की विशेष भूमिका रही है।

नवीन जिला में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सामान्य मतदान संपन्न होने पर कलेक्टर डॉ सिद्दीकी ने सभी को ज्ञापित किया धन्यवाद

सारंगढ़-बिलाईगढ़। विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत 17 नवंबर 2023 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सामान्य मतदान संपन्न होने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी ने जिले के सभी प्रेक्षकों, मतदाताओं, मतदान दलों, सभी विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों, सुरक्षा बलों, नागरिकों, पत्रकारों, बीएलओ, मतदाता जागरूकता स्वीप से जुड़े सभी स्कूली बच्चों, स्व सहायता समूह की महिलाओं, कोटवारों, सशस्त्र बल , होमगार्ड, पीडब्ल्यूडी, मजदूर, चपरासी, सफाई कर्मी से लेकर जिले के सभी विभाग प्रमुख, नोडल अधिकारी आदि को बधाई और धन्यवाद ज्ञापित की हैं।

डॉ सिद्दीकी ने कहा है कि लोकतंत्र महापर्व विधानसभा निर्वाचन को नवीन जिला सारंगढ़ -बिलाईगढ़ में सीमित संसाधन उपलब्धता के बावजूद निर्विघ्न,निर्विवाद, शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराया गया। इस कार्य में सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारियों का भरपूर सहयोग रहा, सभी का अथक मेहनत से ही यह कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। इसके लिए सभी को बधाई एवं धन्यवाद। आगे की मतगणना की तैयारी हेतु सभी से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा है। प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से जिला प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन का सहयोग करने पर सभी के प्रति पुनः आभार है।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ सिद्दीकी ने नवगठित जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के सभी मतदाताओं से लोकतंत्र के इस चुनई तिहार में उत्साह के साथ मतदान करने एवं लोकतंत्र की मजबूती में अपना गौरवशाली योगदान देने हेतु मतदाताओं को भी धन्यवाद दिया है।

नवीन जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ का नेतृत्व कर रहें हैं जिला प्रशासन के युवा पीढ़ी

सारंगढ़ बिलाईगढ़ नवीन जिला है। कलेक्टर डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी, एसपी आशुतोष सिंह, अपर कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश भारद्वाज, एसडीएम और रिटर्निंग अधिकारी द्वय मोनिका वर्मा, डॉ स्निग्धा तिवारी, एएसपी निवेदिता पाल, डीएसपी मनीष कुंवर, सहायक रिटर्निंग अधिकारी व तहसीलदार आयुष तिवारी, नेत्रप्रभा, कमलेश व देवराज सिदार, अरपन कुर्रे, कोमल साहू , रुपाली मेश्राम आदि युवा पीढ़ी जिला प्रशासन का नेतृत्व कर रहे हैं।

प्रत्याशी अपने लेखा खर्च के हिसाब की तैयारी रखें : व्यय प्रेक्षक रत्नेश कुमार सिंह

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के व्यय प्रेक्षक रत्नेश कुमार सिंह ने दोनों विधानसभा सारंगढ़ और बिलाईगढ़ के 9-9 प्रत्याशी कुल 18 प्रत्याशियों को कहा है कि वे अपने लेखा खर्च का हिसाब तैयारी करें और निर्धारित अवधि तक व्यय लेखा की जानकारी प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि जिले के प्रत्याशियों के लेखा का मिलान तीन बार किया जा चुका है।

ईव्हीएम मशीनों से भरे स्ट्रांग रूम की सुरक्षा कर रहे हैं सीआईएसएफ जवान

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टोरेट सारंगढ़ के बाजू मंडी परिसर के स्ट्रांग रूमों में जमा विधानसभा 17-सारंगढ़ और बिलाईगढ़ विधानसभा 43 के डाकमत पत्र, ईव्हीएम और व्हीव्हीपैट मशीन की सुरक्षा गृह मंत्रालय भारत सरकार के अधीन केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के बटालियन द्वारा किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश अनुसार सीआईएसएफ के इस बटालियन के सुरक्षा जवानों का खाना-पीना, निवास, शौचालय आदि का कैम्प व्यवस्था मंडी परिसर में ही किया गया है। मंडी परिसर के स्ट्रांग रूम से लेकर मंडी के सभी कोनों में सुरक्षा बैरक बनाया गया है।

मंडी परिसर के सभी दिशाओं का सुरक्षा बैरक से जवानों द्वारा पाली-पाली कर 24 घंटे जवान ड्यूटी कर रहे हैं। इसके साथ-साथ मंडी परिसर में सीसीटीवी कैमरा से भी सुरक्षा निगरानी की जा रही है।

खेतों में पहुंचकर फसलों को नुकसान कर रहे गजराज

कोरबा (आरएनएस)। जिले के गुरमा,तनेरा एवं जलके का जंगल इन दिनों गजराजों की चिघाड़ से गुंज रहा है इन तीनों स्थानों पर 100 से लगभग गजराज विचरण कर रहे है जो जंगलो में चिघाडने के साथ ही खेतों में पहुंचकर फसलो को मटियामेट कर दे रहे है। बड़ी संख्या में गजराजों के विचरण करने से क्षेत्र में दहशत का मौहाल है।

हालाकि वन विभाग द्वारा यहां गजराजों की लगातार निगरानी की जा रही है। बावजूद इसके वें जंगलो से निकलकर खेतो व खलिहानों में पहुंच जा रहे है। और ग्रामीणों की मेहनत पर पानी फेर रहे है। जिससे ग्रामीणों में दहशत के साथ ही गहरा आक्रोश भी है। ग्रामीणों द्वारा लगातार इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की जा रही है।

लेकिन अब तक इसका कोई हल नही निकाला जा सका है। फलस्वरूप ग्रामीण नुकसान सहने को मजबूर है। कई बाद गजराजो की वजह से उनकी जान को भी खतरा हो जाता है। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक 30-30 हाथी तनेरा व जलके सर्किल में है। जबकि 37 हाथी गुरमा के जंगल में डेरा डाले हुए है। जिनकी विभाग द्वारा 24 घंटे निगरानी की जा रही है।

50 विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में किया ज्यादा मतदान

रायपुर । छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन 2023 में अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले कुल महिला मतदाताओं की संख्या अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले कुल पुरुष मतदाताओं की संख्या से अधिक है। छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा क्षेत्रों में से 50 विधानसभा क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने ज्यादा मतदान किया है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत 7 और 17 नवंबर को हुए दो चरणों में मतदान के आंकड़ों के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि अपने मताधिकार का प्रयोग करने में महिलाओं की सहभागिता और जागरूकता पुरुषों से कम नहीं है। छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा क्षेत्रों में से 50 विधानसभा क्षेत्रों मे अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाली महिलाओं की संख्या अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले पुरुषों की संख्या से कहीं अधिक है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार भरतपुर-सोनहत, प्रतापपुर, रामानुजगंज, सामरी, लुण्ड्रा, अंबिकापुर, सीतापुर, जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव, लैलूंगा, सारंगढ़, खरसिया, धर्मजयगढ़, रामपुर, पालीतानाखार, जैजैपुर, मरवाही, सरायपाली, बसना, खल्लारी, महासमुंद, बिलाईगढ, राजिम, बिंद्रानवागढ़, सिहावा, डोंडीलोहारा, गुंडरदेही, संजारी-बालोद, धमतरी, दुर्ग शहर, पंडरिया, कवर्धा, खैरागढ़, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, डोंगरगांव, खुज्जी, मोहलामानपुर, भानुप्रतापपुर, कांकेर, केशकाल, कोंडागांव, नारायणपुर, बस्तर, जगदलपुर, चित्रकोट,दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंटा विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केंद्रों में आकर वोट डालने वाले महिला मतदाताओं की संख्या वोट डालने वाले पुरुष मतदाताओं की तुलना में अधिक है।

छत्तीसगढ़ में दो चरणों में हुए मतदान में कुल 1 करोड़ 55 लाख 61 हजार 460 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया जिसमे 77 लाख 48 हजार 612 पुरुष मतदाता और 78 लाख 12 हजार 631 महिला मतदाता शामिल हैं। इस प्रकार विधानसभा निर्वाचन 2023 में अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाली महिला मतदाताओं की कुल संख्या भी वोट डालने वाले पुरुष मतदाताओं की कुल संख्या से अधिक है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480